



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 65]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 8, 1984/फाल्गुन 18, 1905

No. 65]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 8, 1984/PHALGUNA 18, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1984

सा. का. नि. 205 (अ).—संविधान के अनुच्छेद 299 के खण्ड (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 के खण्ड (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग की 7 जुलाई, 1972 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 835 के अतिरिक्त में, उन बातों को छोड़कर जो इस प्रकार के अतिरिक्त से पहले की जा चुकी हैं अथवा न की जा सकी हैं, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित नियम बनाए हैं ; अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्ष और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों को संविदा और करार (विदेशी बैंक अथवा वित्तीय संस्थाएँ) निष्पादन एवं प्राधिकरण नियमावली, 1984 कहा जाए ।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावी होंगे ।

2. प्राधिकरण और निष्पादन :—संघ की कार्यकारी शक्तियों के प्रयोग में किसी विदेशी बैंक अथवा वित्तीय संस्था के साथ

किए गए सभी संविदाएँ और करार, चाहे वे किसी विदेशी सरकार के साथ किए गए प्रबंध के अनुसार उभयपक्षीय वित्तीय सहायता के लिए हों अथवा अन्यथा हों, राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक के द्वारा निष्पादित और प्राधिकृत किए जाएंगे, अर्थात् :—

(क) वित्त मंत्री ।

(ख) विदेश में भारतीय मिशन के अध्यक्ष ।

व्याख्या :

“मिशन के अध्यक्ष” शब्द में कोई राजदूत, उच्चायुक्त, दूतावास के मंत्री, स्थायी कार्यदूत और कार्यवाहक उच्चायुक्त शामिल हैं ।

(ग) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के सचिव, अपर सचिव, संयुक्त सचिव, निदेशक अथवा उप-सचिव ।

(घ) संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय दूतावास में मंत्री (अर्थ) ।

[संख्या एफ. 23015/1/84-प्र. 3]

भारत के राष्ट्रपति के आदेश और उनके नाम से ।
बी. के. शर्मा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th March, 1984

G.S.R. 205(E).—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77, read with clause (1) of article 299, of the Constitution and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs No. G.S.R. 835, dated the 7th July, 1972, except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Agreements and Contracts (Foreign Banks or Financial Institutions) Execution and Authentication Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Authentication and Execution.—All agreements and contracts made in exercise of the ex-

ecutive power of the Union with any foreign bank or financial institution, whether in pursuance of an arrangement with any foreign State for bilateral financial assistance or otherwise, shall be executed and authenticated on behalf of the President by any of the following officers, namely :—

- (a) The Minister of Finance.
- (b) The Head of an Indian Mission in a foreign country.

Explanation.—The term 'Head of Mission' includes an Ambassador, High Commissioner, Minister incharge of a Legation, Charge d' Affaires and Acting High Commissioner.

- (c) Secretary, Additional Secretary, Joint Secretary, Director or Deputy Secretary, in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs.
- (d) Minister (Economic) in the Indian Embassy in the United States of America.

[No. F. 23015/1/84-Admn. III]

By Order and in the name of President of India.

B. K. SHUNGLU, Jt. Secy.